>

Title: Regarding reported lobbying by Walmart.

श्री यशवंत सिन्हा : मैडम, मैं जो मुद्दा उठाना चाहता हूँ ...(व्यवधान) वह यह है कि ...(व्यवधान) अमेरिका के साथ हमारे कई सारे मुद्दों पर मतभेद हैं ...(व्यवधान) लेकिन अमेरिका के लिए मैं एक बात ज़रूर कहूंगा ...(व्यवधान) कि हमारे सिस्टम की तरह उनका सिस्टम ओपेक नहीं है। ...(व्यवधान) उनका सिस्टम पारदर्शी है। ...(व्यवधान) और उस पारदर्शिता का ही नतीजा है ...(व्यवधान) कि आज के दिन वॉलमार्ट के काले कारनामों का एक चित्र हमारे सामने आया है। ...(व्यवधान)

मैडम, अमेरिका के सीनेट में उन्होंने जो रिपोर्ट पेश की है ...(व्यवधान) उस रिपोर्ट के अनुसार यह साबित हो गया है कि ...(व्यवधान) वालमार्ट ने भारत में रीटेल ट्रेड में एफडीआई लाने के लिए ...(व्यवधान) पैसे खर्चे हैं। ...(व्यवधान) वे पैसे उन्होंने भारत में खर्चे हैं। ...(व्यवधान) यह रिपोर्ट उन्होंने अमेरिका के संसद को दी है। ...(व्यवधान) लेकिन यह रिपोर्ट यह नहीं कहती है कि वे पैसे अमेरिका में खर्चे गए हैं। ...(व्यवधान) यह पैसा भारत में खर्चा गया है। ...(व्यवधान)

12.10 hrs

At this stage, Shri M.B. Rajesh and some other hon. Members

went back to their seats.

प्रश्न यह उठता है कि उनका यह पैसा किस चीज के ऊपर खर्च हुआ, किसको-किसको उन्होंने दिया?...(व्यवधान) आप जानते हैं कि जब एफडीआई रिटेल के ऊपर डिबेट हुई थी तो उसमें माननीय सांसदों के द्वारा यह बात उठायी गयी थी कि वॉलमार्ट में भयंकर वित्तीय गड़बड़ी हुई है और वॉलमार्ट उसकी जांच भी कर रहा है।...(व्यवधान) और उसके चलते उन्होंने, उनका जो चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर था और अन्य पदाधिकारियों को उन्होंने निलम्बित कर दिया है।...(व्यवधान) अब जो यह खुलासा हुआ है अमेरिकी संसद में, उससे यह साफ जाहिर हो गया है कि वॉलमार्ट ने देश में विदेशी पूंजी रिटेल क्षेत्र में लाने के लिए यहां भी उन्होंने लोगों को पैसा खिलाया है।...(व्यवधान)

महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि यह भी खबर सामने आयी है कि अमेरिका में एक इंक्वायरी, एक इन्वेस्टीगेशन चल रहा है। जिसमें भारत के चार पदाधिकारियों के ऊपर अमेरिका में वॉलमार्ट से पैसे खाने के लिए जांच हो रही है।...(व्यवधान) चार पदाधिकारियों के खिलाफ अमेरिका में जांच हो रही है।...(व्यवधान) अमेरिका में जांच हो रही है, लेकिन भारत में कोई जांच नहीं हो रही है क्योंकि यहां लोग पैसे खाकर बैठ गये हैं।...(व्यवधान) यह बहुत गंभीर मुद्दा है।...(व्यवधान) यह हमारे देश की इज्जत का सवाल है।...(व्यवधान) हमारे देश की प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल गयी है।...(व्यवधान) हमारे देश की कोई प्रतिष्ठा नहीं बची है। ...(व्यवधान) इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि इसमें एक टाइम बाउंड जूडिशियल इंक्वायरी की जाये।...(व्यवधान) टाइम बाउंड जूडिशियल इंक्वायरी की जाये।...(व्यवधान) साठ दिनों के भीतर यह इंक्वायरी समाप्त होनी चाहिए और देश के सामने सच्चाई आनी चाहिए कि की वॉलमार्ट का पैसा किसने-किसने खाया?...(व्यवधान) कितना खाया, कौन-कौन लोग खाने वाले हैं?...(व्यवधान) पैसा खाने वालों का नाम बताओ।...(व्यवधान) मैं सरकार से कहता हूं कि आप इस सदन में इंक्वायरी अनाउंस करें और बतायें कि अब तक उसमें उन लोगों के खिलाफ क्या-क्या कदम उठाये हैं, जिन्होंने वॉलमार्ट से पैसा लिया है?...(व्यवधान) कितना पैसा खाया है, किसने पैसा खाया है, कहां-कहां पैसा जमा है, स्विस बैंक में जमा है...(व्यवधान) कहां जमा है?...(व्यवधान)

महोदया, मैं चाहता हूं कि अभी तत्काल सरकार की तरफ से यह बयान आये कि वह एक टाइम बाउंड जूडिशियल इंक्वायरी करायेगी।...(व्यवधान) किसने पैसा खाया, इसका पता लगना चाहिए।...(व्यवधान)

12.12 hrs.

At this stage, Shri Ramashankar Rajbhar and some other hon. Members went back to their seats.

MADAM SPEAKER: All right. Thank you, so much. Whoever wants to associate can send their names to the Table.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please send your names to the Table, if you want to associate.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया :

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री अशोक अर्गल,

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय,

श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला,

श्री भूपेन्द्र सिंह,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री प्रहलाद जोशी,

श्री गणेशराव नागोराव दूधगांवकर,

श्री गजानन ध. बाबर,

श्री एम.बी.राजेश,

श्री पी.के.ि◌बजू,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री जोसेफ टोप्पो,

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा,

श्री रमेन डेका,

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर,

श्री शिवराज भैया,

श्री राकेश सिंह,

श्री शिवराम गौड़ा और

प्रो. सौगत राय अपने आपको श्री यशवंत सिन्हा जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, I have also given notice....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: There cannot be a full discussion.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Kamal Nath *ji,* would you want to respond?

...(*Interruptions*)

12.13 hrs

At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Shri P. Karunakaran, Shri C. Sivasami and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

MADAM SPEAKER: Let him respond.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI KAMAL NATH): Kalyan *ji,* let me make my speech. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Let the Government respond. He has said something.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: It is not a discussion, which is going on. We are in the 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, Leader of the House is saying something.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, the Leader of the House.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): Madam, Shri Yashwant Sinha ji made a statement and my Parliamentary Affairs Minister is going to respond. ...(*Interruptions*) What Shri Yashwant Sinha ji has specifically said about Wal-mart, the Parliamentary Affairs Minister will respond ...(*Interruptions*)

12.15 hrs

At this stage, Shri Kalyan Banerjee and some other hon. Members

went back to their seats.

SHRI KAMAL NATH: Madam, can I make a statement? ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Yes.

...(*Interruptions*)

SHRI KAMAL NATH: Madam, we have learnt from the Press Reports of the reported disclosure by Wal-mart under the US laws of amounts spent by them on lobbying in various countries including India. ...(*Interruptions*) The Government views this with as much concern with all sections of the House and has no hesitation in having an inquiry on this inasmuch as it concerns India to get to the facts of the matter. ...(*Interruptions*) We would announce further steps on this in the House. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : दारा सिंह जी, आप कुछ बोलना चाहते हैं?

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again today at 2 p.m.

12.16 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Sir, may I make a suggestion?...(*Interruptions*)

We have given notice on the Wal-mart. Only one speaker was allowed. After that, we were given to understand that all the leaders would be allowed to speak. Then, the House was adjourned. Now, please allow us to speak...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, those who have given notice should be allowed to speak...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Unnecessary tension in the House is undesirable.

उपाध्यक्ष महोदय : इस समय ज़ीरो आवर है। अभी इसे उठाने का सवाल नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Sir, it is not a question of *Zero Hour.* All the political parties should be allowed to speak because they also want to express their opinion...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Those who have given notice should be allowed to speak.

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठेंगे, तब ही बात होगी।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठेंगे ही नहीं तो फिर कौन बोलेंगे?

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत कुमार : सदन में लीडर ऑफ द हाउस नहीं हैं, वित्त मंत्री जी नहीं हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री बसुदेव आचार्य जी।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Mr. Deputy-Speaker, Sir, it has been...

श्री लालू प्रसाद (सारण): हिन्दी में बोलिए।

श्री बसुदेव आचार्य : उपाध्यक्ष जी, वालमार्ट ने खुद अमेरिकन सीनेट में एक प्रस्ताव पेश किया है जो लॉबिंग के बारे में है। हमारे देश में खुदरा व्यापार में आने के लिए उन्होंने लॉबिंग के लिए वर्ष 2012 तक कितना पैसा खर्च किया है, उसका हिसाब-किताब उन्होंने पेश किया है। इसमें जानकारी मिली है कि हमारे देश के

खुदरा व्यापार में आने के लिए वालमार्ट ने 125 करोड़ रुपये आज तक खर्च किये हैं, लॉबिंग के लिए खर्च किये हैं। लॉबिंग अमेरिका में गैर कानूनी नहीं हो सकती, लेकिन हमारे देश में इसे कमीशन कहा जाता है और यह गैर कानूनी है। यह स्थित है। यह स्थित दी गयी।â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आचार्य जी, आप संक्षेप में बोलिए।

श्री बसुदेव आचार्य : उपाध्यक्ष महोदय, हम संक्षेप में कैसे बोलेंगे, 125 करोड़ का मामला है, संक्षेप में कैसे बोलें। ...(व्यवधान) हम कैसे संक्षेप कर सकते हैं। हमने चर्चा में भाग लेते हुए कहा था कि वॉलमार्ट के खिलाफ ये इल्ज़ाम है। वॉलमार्ट के खिलाफ जांच चल रही है। सरकार को सब मालूम था, मालूम रहते हुए भी सरकार ने इजाजत दे दी। 125 करोड़..* है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: जो भी अनपार्लियामेंट्री शब्द हों, उन्हें निकाल दिया जाए।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : हमारे देश में किस ने पैसा खाया है?...(व्यवधान) नेता जी बोल रहे हैं कि कौन सा माध्यम था? हमारे देश में यह पैसा किस के माध्यम से आया है, क्योंकि उसमें कहा गया है कि भारत में भी पैसा खर्चा किया गया है, ऐसा नहीं कि अमेरिका ने पैसा खर्चा किया है। हमारे देश में भी पैसा खर्च किया गया है और 2012 में किया है। यह बहुत शर्मनाक बात है।...(व्यवधान) खतरनाक नहीं, शर्मनाक बात है, खतरनाक तो है ही। क्या सरकार बताएगी नहीं? ...(व्यवधान) हम चाहते हैं कि इसकी जांच हो। There should be an independent inquiry. It is a serious matter. Who has taken the money? किस ने पैसा खाया है, इस सदन को यह बताना पड़ेगा। ज्यूडिशियल इंकवायरी, टाइम बाउंड इंकवायरी, ...(व्यवधान) ऐसे नहीं चलेगा। .... (व्यवधान) क्या ऐसे चलता रहेगा?..(व्यवधान) जैसे जेपीसी चल रही है, वैसे ही चलती रहेगी, ऐसा नहीं।...(व्यवधान) एक महीने के अंदर जांच करके सदन को बताया जाए कि किस ने पैसा खाया है, किस की जेब में पैसा गया है और जो दलाली की है, ये सदन को बताना पड़ेगा। जो बयान दिए हैं, कमल नाथ जी, वह इवेड किया है।...(व्यवधान) उसकी जांच होगी।...(व्यवधान) पहले जांच होगी,...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आचार्य जी, अब आप बैठ जाइए, और लोगों ने भी बोलना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : हम चाहते हैं कि इसकी ज्यूडिशियल इंकवायरी हो, जो टाइम बाउंड हो। इस सदन को एक महीने के अंदर जांच करके बताना पड़ेगा कि किस के पास पैसा गया है? ...(व्यवधान) Who has taken the money? Rs.125 crore has been spent on lobbying by Walmart. ...(व्यवधान) जिसने ऐसा किया है, वह देश का दुश्मन है। जिसने पैसा खाया है, वह देश का दुश्मन है। ...(व्यवधान) यह कौम, सदन और हमारे देश की जनता जानना चाहती है कि वे कौन हैं, जिन्होंने पैसा खाया है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: पहले जिन्होंने नोटिस दिया है, उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Hon. Deputy-Speaker, Sir, today it is really shame for the country. Today it is really shame for the country that Walmart has paid 25 million US dollars amounting to Rs.125 crore for lobbying and coming into this country. These documents, which have been produced in the US Senate, reveal that for the last six or seven years they have been trying to enter into India and only for three months, from July to September, almost Rs.50 crore to Rs.60 crore has been spent for the purpose of discussing the Walmart issue in the Parliament itself. They are trying to do it. These types of illegal activities by Wal-Mart are resorted to not only in case of India, but in case of Mexico also, when they wanted to enter into Mexico City. The Business News of the New York Times have written that there also they spent the money. It was found from the documents showing that Wal-Mart de Mexico's top executive not only knew about the payments but had taken steps to conceal them from Wal-Mart's Headquarters in Bentonville.

Sir, not only for the Mexico or India, in case of China and Brazil, same things have been done by Wal-Mart. It is unfortunate that our country's leaders, who are running the Government, are well aware about the facts that these moneys have been spent for the purpose of lobbying. But, here they wanted, by force, by manipulation, to pass this FDI in the retail trade. It is a shame.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please conclude.

SHRI KALYAN BANERJEE : Today, the Minister has given a statement....(*Interruptions*)

In the first half, in the morning, the hon. Parliamentary Minister made a statement that an enquiry would be made. By whom? By whom – those, who are the recipients of this lobbying money, will do the enquiry? That will be a great fun of the enquiry itself. It cannot be an enquiry.

Sir, I demand that a Joint Parliamentary Committee be constituted which would hold the enquiry in this respect. Until such an enquiry is made, until the Joint Parliamentary Committee submits its report to the Parliament, no action in respect of the Wal-Mart should be allowed to function in the country itself. Let the report of enquiry first come, then in that case only Wal-Mart should be allowed to function, otherwise they should not be allowed.

प्रो. सौगत राय (दमदम): सरकार के चेहरे पर जो लाली है, वह वालमार्ट की * है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Mr. Deputy-Speaker, Sir, last week, a very sensitive issue was discussed in the House. At that time, all the political parties, 14 out of 18 political parties, opposed the FDI in retail. The House have voted against that. But, in the circumstances, we have come to know about some other news regarding a very perturbed issue. After seeing this news, the whole nation is tensed. In the USA, the Wal-Mart has conceded that it has spent Rs.125 crore for lobbying for investment in India and in particular, they have said that this expenditure was related to FDI in India.

This is a very serious matter. When all the political parties opposed this FDI in retail, the Treasury Benches somehow managed to impose that they are executing that policy. The leader of our AIADMK party, hon. Chief Minister of Tamil Nadu is opposing the FDI in retail in India. We know that it will collapse our Indian economy. All the small traders are going to be thrown on the streets. They are going to be thrown out of their jobs. Such kind of culture of going to Wal-Mart is about to come. It is because our Indian people are tempted to purchase foreign goods and become spendthrift.

The Government is saying that they want to get foreign money to improve balance of payment, and for that purpose only they are bringing this. But, what about our money, which is going out as profit to foreign business companies? Therefore, that situation is our concern.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please, be brief.

DR. M. THAMBIDURAI : Sir, I have a particular issue. There is an allegation in the newspaper that the Wal-Mart has spent nearly Rs.125 crore for lobbying, especially to come in India for investment in retail. If Wal-Mart has spent so much money, then I do not know as to how much other companies have spent; where is the money which they have sent; who received that money? We want to know that. This is very sad.

The same Congress Party in 2000 opposed this FDI in retail. How they are implementing it now? There is a doubt as to whether this Treasury group or somebody else has received this kind of lobbying money. I am saying that there is a doubt about it. I cannot blame straightaway, but there is a doubt. Therefore, till that doubt is over, let the Joint Parliamentary Committee enquire it. In that, we will discuss it. It is only after submitting the report that the Government should implement that policy. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please conclude.

DR. M. THAMBIDURAI : Up till that time, they must not implement that policy. I want a judicial enquiry in this regard or otherwise a Joint Parliamentary Committee be constituted to go into the allegations about the Wal-Mart.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Mr. Deputy-Speaker, i t is not only a matter of illegal gratification हम दलाली नहीं बोल रहे हैं।...(व्यवधान)

It is a very pinching word.

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): लॉबीइंग को हिन्दी में दलाली कहते हैं।...(व्यवधान)

श्री गुरुदास दासगुप्त : हम दलाली की बात नहीं बोल रहे हैं because it may pinch the heart. I do not want their hearts to be broken. Madam, I do not want your heart to be broken – you are the only Member. Please have a strong heart.

The point is the whole country is put to shame. In the eye of the people it has now become a reality that lobbying and bribery has become a part and parcel of the political system. Kindly remember that in the case of 2G Spectrum the Radia tape had clearly indicated that lobbying was there in India even with regard to the appointment of a Minister. Now, today, within a period of a few months, another incident has happened. It has come to light not because some newspaper exposed it; it came to light because there has been suspension of five officers of Wallmart for giving bribe to India. Kindly

remember, this is what I had said in my speech. Now that is being strengthened further.

In an American Parliamentary Committee – Parliament means both the Houses – it has been referred to that investigation is being made with regard to the behaviour of American citizens because they have paid bribery in another country and the country is India. Therefore, we have first the instance of suspension of five officers by Wallmart itself; second, we have the proceedings of the Senate of America.

I was hearing the speech of Shri Kamal Nath, who is a notable absentee now. He was saying that let BJP give the proof. I am nobody to speak for BJP; they are well competent to speak for themselves. I would like to know what else you want to see. Suspension of five officers and proceedings of enquiry in Senate are there. What more do you want? The point is, India has been put to shame not by one Wallmart, but because unnamed Indian officials, whoever it may be, have taken bribe. Bribe is given to whom – those who can deliver the goods. Bribe will not be given to me because I am not a Minister. Bribe will not be paid to Smt. Sushma Swaraj because she is not a Minister. Bribe will be paid to a person or persons who matter, who can decide, who have the majority, who can carry through a resolution. Therefore, the Resolution was carried through in exchange of something, which, today is being reported. This is the truth. My heart beats in shame; I am an Indian. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please conclude.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I am not yielding. The point is that the Government is under a grave shadow of suspicion. The voting on the discussion has been under a cloud of suspicion. Therefore, we demand enquiry. Enquiry not by CBI because CBI has become political; we want enquiry by a Joint Parliamentary Committee where all the parties are represented.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विशेष उल्लेख पर बोलने का अवसर दिया, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं।...(व्यवधान) अभी यहां इस बात का जिक्र हो रहा था कि * कहा जाए, रिश्वत कहा जाए या प्रलोभन कहा जाए। मैं इस पर नहीं जाना चाहता, लेकिन इसे रिश्वत, प्रलोभन या एक्टिव मनी भी कहा जा सकता है। वॉलमार्ट के बारे में अभी सम्मानित सदस्यों ने अपनी बात रखी। उस पर अमरीकन सीनेट की जांच में वहां के जो अधिकारी दंडित हुए हैं, चूंकि यह मामला अभी वहां तक है, लेकिन एक शंका व्यक्त की जा रही है कि जिस प्रकार एफडीआई को जल्दबाजी में लाया गया, हो सकता है कहीं न कहीं शंका के घेरे में यह बात आ रही हो। अभी हमने संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना। वे शोर-शराबे में बड़ी जल्दबाजी में बोलकर बैठ गए। लेकिन मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि भारतवर्ष की साख, नाक और अस्तित्व बचाने के लिए स्पष्ट तरीके से इसकी ज्यूडीशियली जांच होनी चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। यह पता लग जाए कि इसे क्यों लाया गया? हमारी पार्टी और हम जानना चाहते हैं कि इसमें हकीकत क्या है? भारतवर्ष के अस्तित्व और नाक को बचाने के लिए इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अगर अमरीकन सीनेट से इस बात को कहा गया है तो भारत में वह बिल्कुल साफ होना चाहिए।

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): Mr. Deputy-Speaker, it is a black day for the democracy of India. Mere victory of sheer numbers does not justify the wrongdoings of this Government. I do not wish to make this a party oriented thing. It is not the Congress; or it is not one particular person. It is a mindset which has descended on India now; whether it is people who walk out for pretexts that do not exist or it is even people who vote against a move now. Everybody, the whole political class of this country, is being viewed with suspicion by the common man.

It is a matter of concern also that when we hear that this matter has become an international issue involving some 2.5 million dollars being bribed to Indian officials to expedite the process of Foreign Direct Investment in the retail sector. It is extremely humiliating, to say the least, for us that on one hand internationally we are being bashed as a nation and on the other, it is a shame that we do not know whether we have a mechanism left which is beyond suspicion for which we can make a demand that X or Y or Z should do the investigation and give a report to this House before the end of the Winter Session. The hon. Member who spoke earlier said that even CBI is politicized. The parliamentary bodies created for investigation are under a cloud of suspicion. Where do we go? Where does the common man go today?

I, on behalf of the Biju Janata Dal, say that we had very clearly opposed the FDI, not because we are for *bicholia* or something, we are no middlemen. We are the people and the people in this country will realize the harms that are being done may not be now, but may be after seven or eight or ten years later. But the harm that is being created, the damage that is being done, is a long-lasting damage that will impair the growth of this nation forever. It is a shame that the people claiming themselves to be governing this country are mired, are ...* are ...* and people look at all of us, across the benches, as suspects and as people who have sullied their hands, their minds and their souls because of the diktats of some foreign country.

It is a dark day for this nation. I hope that we will try to absolve, we will try to cleanse ourselves not by taking a dip in the Ganga but by coming out clean and opening up the closeted secrets and letting everybody know in this nation who was responsible. It is not the amount of money - I would ask one more question – it is why, who was given the money and what were the deliverables expected of them and whether they delivered better than expected or delivered what was expected. That is also very necessary. So, I demand that there should be a thorough investigation and its report should not be extended forever. The investigation should be completed in a time-bound manner and its report submitted to this House before we adjourn the whole Winter Session.

श्री दिनेश चन्द्र यादव (खगड़िया): उपाध्यक्ष महोदय, वालमार्ट द्वारा ...*या रिश्वत देने की बात प्रकाश में आई है। यह काफी शर्मसार करने वाली बात है, इससे काफी दुखद स्थिति पैदा हो गयी है। सभी दलों के सदस्यों ने इस पर प्रकाश डाला है और कहर कि इस सच्चाई की जांच होनी ही चाहिए। पहले से ही गड़बड़ी लग रहा थी कि सदन की अधिक संख्या के लोग इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन कम संख्या के लोग व्याकुल थे किसी तरह विदेशी कंपनी को हिन्दुस्तान के लोगों के सिर पर बैठा दें। इसलिए वह प्रस्ताव पास हो गया, लेकिन जो ... * देने की बात प्रकाश में आई है, उसकी जांच होनी चाहिए। हम जनता दल (यू) की तरफ से मांग करते हैं कि एक संसदीय समिति हो, जिसकी समय सीमा निर्धारित हो, एक महीने के अंदर वह जांच करे।...(व्यवधान) वह तो अध्यक्ष जी तय करेंगे कि उसका चेयरमैन कौन होगा। जेपीसी से इसकी जांच हो और उसकी समय सीमा एक महीने तय हो, यही हम आपके माध्यम से मांग करते हैं।

श्री लालू प्रसाद (सारण): महोदय, माननीय यशवंत सिन्हा जी ने इस सवाल को गंभीरता से उठाया है। यह सवाल उठा, तो कल हाउस नहीं चला, आज भी बीच में नहीं चल पाया, तो बिल्कुल एक समय-सीमा के अंदर वालमार्ट ने सीनेट में जो रिपोर्ट दी है कि भारत में लॉबीइंग करने में काफी पैसा खर्च हुआ, उसकी जांच हो। इससे भारत की साख, प्रतिष्ठा गिरती है। ये लॉबीइंग करने वाले, ... * लोग जो भी हों, इसकी जांच-पड़ताल सदन की ज्वाइंट पार्लियामेंटरी कमेटी बनाकर, एक महीने के अंदर जांच करके दूध का दूध, पानी का पानी सामने आए। वालमार्ट को भी समन किया जाए।...(व्यवधान) उसको भी बुलाया जाए। उन्हें बुलाकर पूछा जाए कि किसको तुमने पैसा दिया। क्या अधिकारियों के माध्यम से पैसा खाया गया या अन्य किसी माध्यम से, ये सारी बातें सामने आनी चाहिए, नहीं तो फिर यह बात ज्यों की त्यों ही रह जाएगी। सरकार ने कहा है कि हम जांच कराने को तैयार हैं, हम चाहते हैं कि आज ही फैसला कर दीजिए संयुक्त संसदीय समिति के गठन का, वरना रोज यह मामला उठेगा इसलिए किसी को बोलने का मौका नहीं मिलना चाहिए। हमारे सामने और भी इश्यूज़ हैं।

श्री यशवंत सिन्हा : उपाध्यक्ष जी, मैं जब पहले अपनी बात कह रहा था तो शोर-शराबे के कारण पूरी बात नहीं कह सकता। इसलिए मैं संक्षेप में अपनी बात रखना चाहूंगा। वैसे तो दिल्ली हमारा शहर है, यह बहुत ऐतिहासिक और प्राचीन शहर है, लेकिन इस दिल्ली शहर का यह जो पार्ट है, इसे लुटियन दिल्ली बोलते हैं, क्योंकि अंग्रेजी हुकूमत के समय एक अंग्रेज आर्किटेक्ट, जिसका नाम लुटियन था, उन्होंने इसका नक्शा बनाकर इसे बसाया था। अब यह नाम यथार्थ हो गया है। यहां पर लूट-खसोट मची हुई है। लुटियन की दिल्ली, लुटिहन दिल्ली हो गई है। कुछ लोग इस देश को और इस शहर को लूट रहे हैं...(व्यवधान) मैंने कहा था कि मुझे इस बात का बहुत संतोष है कि सदन के अनेक माननीय सदस्यों ने उसी भावना को व्यक्त किया है कि आज देश की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि लॉबिंग तो अमेरिका के कानून के अंतर्गत आती है। बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जो अमेरिका में शायद कानूनन ठीक होंगी, लेकिन हमारे देश में ठीक नहीं होंगी। इसलिए यह तर्क यहां पर नहीं चलेगा कि वहां लॉबिंग कानूनन सही है। यह भी ठीक है कि वहां पैसा नहीं दिया गया, पैसा भारत की धरती पर खर्च हुआ है, लॉबिंग में। चूंकि सरकार चुप्पी मारे हुए बैठी रही थी, इसीलिए हम इस विषय को यहां उठाने के लिए बाध्य हुए। मंत्री महोदय ने क्या कहा, हमें मालूम नहीं, लेकिन अभी गुरुदास बाबू ने कहा कि उन्होंने बाहर जाकर टीवी चैनल्स को एक साक्षात्कार दिया। उसमें वह कह रहे हैं कि इस बात का बीजेपी प्रूफ दे, यह कौन सी हरकत है, यह क्या बात है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है। बीजेपी प्रमाण देगी, प्रमाण तो अमेरिका की संसद में दिया जा चुका है। गुरुदास बाबू ने डिबेट में जो बात कही थी, आज भी उसे रिपीट किया। मैंने जो सुबह बात कही कि अमेरिका में भारत के चार या पांच पदाधिकारियों के खिलाफ जांच चल रही है। अब बताएं इससे बढ़कर हमारे लिए प्रमाण और क्या हो सकता है। यह कहा जा रहा है कि बीजेपी सबूत दे, जबकि अमेरिका में जांच चल रही है, अमेरिका में कानून है कि विदेशी पदाधिकारी को, अगर वह माल खाता है, तो उसकी जांच भी अमेरिका में होगी। वह जांच वहां चल रही है और हमें यहां कहा जा रहा है कि प्रूफ दीजिए। मैं सरकार से अपनी पार्टी और अपने सिद्धांतों के साथ पूरी ताकत के साथ यह मांग करता हूं।

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Shri Sinha, you have committed an error in Hindi. आपने माल कहा, माल नहीं बमाल है।

श्री यशवंत सिन्हा : सरकार तत्काल इसी सदन में घोषणा करे और अभी करे। जिसे भी आना है, वह आए। अगर मोइली साहब कर सकते हैं तो वह घोषणा करें, लेकिन जिसे भी सरकार की तरफ से उपस्थित होना है, वह उपस्थित होकर अभी सदन में घोषणा करे। मैंने कहा था कि न्यायिक जांच हो, ज्यूडिशियल इंक्वायरी हो और समयबद्ध हो। लेकिन हमारे कई माननीय सदस्यों ने कहा कि इसकी जांच जेपीसी द्वारा कराई जाए। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार तुंत यहां पर आकर अपना फैसला सुनाए कि किस प्रकार की जांच कराएंगे, न्यायिक जांच या जेपीसी की जांच। यहां आज घोषणा नहीं होती, तो फिर यह सदन कैसे चलेगा...(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR : Sir, we want JPC. ...(*Interruptions*)

14.34 hrs

At this stage, Shri Ashok Argal, Shri Kalyan Banerjee, Dr. Ram Chandra Dome and some other hon. Members came and

stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 3.00 p.m.

14.35 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen of the Clock.

15.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fifteen

of the Clock.

(Shri Inder Singh Namdhari *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

15.01 hrs

At this stage, Shri Ashok Argal, Shri Kalyan Banerjee and some

other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: The House shall take up item number 12. Shri Ananth Kumar Ji to speak.

...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): The House is not in order. How can I make my speech? ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Since the Leaders of all the Parties have been given time to express their views, I think that the House will function now.

...(*Interruptions*)